an>

Title: Need to frame National Gold Policy in the country.

श्री अजय मिश्रा टेनी (खीरी) : माननीय उपाध्यक्ष जी, एक अनुमान के मुताबिक भारत के घरों में लगभग 22 हजार टन सोना निष्प्रयोज्य हुआ है। इसके अतिरिक्त कई हजार टन सोना मंदिरों एवं अन्य संस्थानों में भी है। अपने देश में शुरु से सोने के जेवरों का प्रचलन व शौक रहा है तथा कई मौकों पर सोने के जेवरों के आदान-प्रदान के साथ उपहार व मंदिरों में दान व सजावट के रूप में सोने का प्रयोग होता है। लोग बचत के लिए भी सोने का भंडारण करते हैं। निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि भारत में सोने का ऐसा बड़ा भंडार है जो निष्प्रयोज्य है। राष्ट्रीय स्वर्ण नीति के माध्यम से उक्त स्वर्ण भंडार को बाजार में लाकर आर्थिक प्रगति की रफ्तार बढ़ाई जा सकती है। राष्ट्रीय स्वर्ण नीति के माध्यम से सरकार को गोल्ड एक्सचेंज, गोल्ड सेविंग एकाउंट, आयात निर्यात पर प्रतिबंध के साथ गोल्ड रिफाइनरी, गोल्ड बोर्ड की स्थापना करनी चाहिए। इसके जरिए घरों की तिजोरियों में बंद हजारों टन सोना बाजार में लाया जा सकता है और आर्थिक प्रगति की रफ्तार बढ़ सकती है। यदि बैंक अपने मुद्रा भंडार में सोने को शामिल करने में सफल हो सकें तो पूरे देश की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।